जल्द होगी फसल उत्पादन की सटीक भविष्यवाणी

फसल में बीमारी लगने का भी पहले ही पता लग जाएगा, संकल्पना के लिए यूएसए में आईबीएम अवार्ड से नवाजे गए बिट्स पिलानी के गोयल दंपती

भास्कर न्यूज. पिलानी

जमीन में बीज डालने के बाद फसल काटकर घर ले जाने तक किसान हर वक्त मौसम या बीमारी से फसल खराबे चिंता में रहता है। किसान की यह चिंता जल्दी ही दूर हो जाएगी। बीज डालने के बाद किसान यह पता कर सकेगा कि उसके खेत में कितना उत्पादन होगा ताकि अनाज भंडारण की व्यवस्था की जा सके। अगर कोई बीमारी लगने वाली होगी तो इसका भी पहले ही पता लग जाने से फसल को बचाने के प्रयास किए जा सकेंगे। यह सब संभव हो सकेगा बिट्स में सीएस डिपार्टमेंट के डॉ. नवनीत गोयल व डॉ. पूनम गोयल की 'डेवलपिंग ए स्मार्ट क्रॉप मैनेजमेंट सिस्टम यूजिंग डेटा एनालिटिक्स' संकल्पना पर आधारित सिस्टम से। डॉ. गोयल की मानें तो उनकी संकल्पना के तहत 'क्रॉप ईल्ड प्रोडक्शन सिस्टम' तथा 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' दो अलग-अलग सिस्टम पर काम होगा। इन्हें विकसित करने के लिए पिछले 20-25 वर्षों के फसल संबंधी डेटा इस्तेमाल किए जाएंगे तथा उन्नत डेटा खनन तकनीक भी काम में ली जाएगी।

पिलानी. डॉ. नवनीत गोयल व डॉ. पूनम गोयल

यह है क्रॉप ईल्ड प्रोडक्शन सिस्टम

डॉ. गोयल की संकल्पना की पहली प्रणाली क्रॉप ईल्ड प्रोडक्शन सिस्टम डेटा माइनिंग तकनीक पर आधारित है। यह सिस्टम फसल की पैदावार की पूर्व जानकारी देगा जिससे किसान को खेत में होने वाले प्रोडक्शन के आधार पर अनाज के भंडारण की प्लानिंग बनाने में आसानी रहेगी।

यह है अर्ली वार्निंग सिस्टम

डॉ. गोयल की संकल्पना की दूसरी प्रणाली अर्ली वार्निंग सिस्टम किसानों को फसल में लगने वाली बीमारियों के बारे में समय रहते ही चेतावनी देगा ताकि किसान कीड़ों व अन्य बीमारियों से फसल को बचाने के लिए समय रहते प्रयास कर सके और अपनी फसल नुकसान होने से बचा सके।

गोयल दंपती को आईबीएम अवार्ड-2010

डॉ. नवनीत गोयल व डॉ. पूनम गोयल को उनकी अनुसंधान संकल्पना 'डेवलपिंग ए स्मार्ट क्रॉप मैनेजमेंट सिस्टम यूजिंग डेटा एनालिटिक्स' के लिए आईबीएम स्केलबल डेटा एनालिटिक्स इनोवेशन अवार्ड-2010 से सम्मानित किया गया है। अमरीका की प्रसिद्ध आईटी कंपनी आईबीएम ने पुरस्कार स्वरूप उन्हें 15 हजार अमरीकी डालर (7.50 लाख रुपए) की राशि प्रदान की।